

भारतीय डाक विभाग
Department of Posts
India



पुराना सेमिनॅरी, कोट्टयम
OLD SEMINARY, KOTTAYAM

विवरणिका BROCHURE



तकनीकी आंकड़े TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख Date of Issue	:	21 अप्रैल, 2015 21 April, 2015
मूल्यवर्ग Denomination	:	500 पैसा 500 p
मुद्रित डाक-टिकटें Stamps Printed	:	6.0 लाख* 0.6 Million*
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	:	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास हैं।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

*1 लाख प्रस्तावक हेतु
*0.1 Million for the proponent

मूल्य ₹ 5.00

OLD SEMINARY, KOTTAYAM

The foundation of Orthodox Theological Seminary (OTS), known as Old Seminary or Cottayam Syrian College, was laid in February, 1813. The Seminary is run by the Malankara Orthodox Syrian Church, the St. Thomas Christians, commonly known as 'Malankara Nazranis'. This is a heritage monument recognized by the Government for its importance as a two hundred year old quadrangular edifice where English education was started for the first time in the state of Kerala. The institution, which once served as a co-ordinating centre of public education under the Christian missionaries continues to serve as the earliest non-Roman Catholic Seminary for Christian Priests.

Besides the serene Chapel of the Seminary, the structure holds the Nalukettu (four sided courtyard made of wood) depicting the rich architectural beauty of the 18th and 19th centuries. The Nalukettu structure today houses a heritage museum which acts as a repository of 2000 years of Christianity in the country. According to the Department of Archaeology, Government of Kerala, the Old Seminary Building which is approximately 200 years old and is one of the earliest public institutions in Kerala, has a historical significance in the context of Kerala's socio cultural history.

A modern phase of the history of the Seminary began in 1965 when it assumed the status of a theological college affiliated to the University system of the senate of Serampore (West Bengal). The present day campus houses:

- Federated Faculty for Research in Religion and

Culture (FFRRC) which is a joint ecumenical programme of Orthodox, Mar Thomas and CSI Seminaries in Kerala, for Research-oriented higher studies in Theology.

- Sruti School of Music which is a recognized centre of Christian music-studies with special emphasis on Syriac Music.
- Mar Gregorios Foundation (M.G.F.) which is a centre to promote the ideals and philanthropic services of the late Dr. Paulos Mar Gregorios, the former Principal and world renowned thinker.
- Pratyasa Counselling Programme which is a centre to cater to the counseling studies and needs.
- Divyabodhanam which is a centre to promote and train in the faith needs of the clergy and the laymen.
- Saroopya School of Art which is a centre to train clergy and laity in ancient art forms, and
- Smriti which is a campus which houses an auditorium, a media-room, an ecumenical hall and modernized library cum archives.

Department of Posts is happy to issue a commemorative postage stamp on the occasion of the Bicentenary celebrations of Old Seminary, Kottayam.

Credits:-

- | | |
|--------------|------------------------------------------------|
| Text | : Based on the material provided by proponent. |
| Stamp/FDC | : Alka Sharma |
| Cancellation | : Alka Sharma |

पुराना सेमिनरी, कोट्टयम

ऑर्थोडॉक्स थियोलॉजिकल सेमिनरी (ओटीएस), जो पुराना सेमिनरी या कोट्टयम सीरियन कॉलेज के नाम से जाना जाता है, की स्थापना फरवरी, 1813 में की गई थी। इस सेमिनरी को मलकरा ऑर्थोडॉक्स सीरियन चर्च, सेंट थॉमस क्रिश्चियन्स द्वारा चलाया जाता है जो सामान्यतः 'मलकरा नजरानीज' रूप में जाना जाता है। दो सौ वर्ष पुरानी घतुष्कोणीय इमारत, जहां से सर्वप्रथम केरल राज्य में अंग्रेजी शिक्षा की शुरुआत हुई थी, के महत्व को देखते हुए सरकार द्वारा इसे धरोहर स्मारक के रूप में मान्यता दी गई है। यह संस्था, जो कभी ईसाई धर्म प्रचारकों के अंतर्गत लोक शिक्षा के समन्वयकारी केंद्र के रूप में कार्य करती थी, आज भी ईसाई पादरियों के लिए प्राचीन गैर-रोमन कैथोलिक सेमिनरी के रूप में कार्यरत है।

इस सेमिनरी के शांत प्रार्थनागृह के अतिरिक्त, इस इमारत में नालुकोट्टु (लकड़ी से निर्मित चतुर्दिक प्रांगण) हैं, जिसमें 18वीं और 19वीं शताब्दी के समृद्ध वास्तुशिल्पीय सौन्दर्य का चित्रण है। इसके प्रांगण में इस समय एक धरोहर संग्रहालय है, जो देश में ईसाई धर्म के 2000 वर्षों के स्मृति चिहनों के कोष के रूप में विद्यमान है। पुरातत्व विभाग, केरल सरकार के अनुसार पुराना सेमिनरी भवन लगभग 200 वर्ष पुराना है और केरल की प्राचीनतम लोक संस्थाओं में से एक है। केरल के सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में इसका ऐतिहासिक महत्व है।

सेमिनरी के इतिहास के आधुनिक चरण की शुरुआत 1965 में हुई, जब इसे सीरमपुर (पश्चिम बंगाल) सीनेट की विश्वविद्यालय प्रणाली से संबद्ध थियोलॉजिकल कॉलेज का दर्जा मिला था। वर्तमान समय में इस परिसर में निम्नलिखित विद्यमान हैं :-

- धर्म और संस्कृति में अनुसंधान हेतु संघबद्ध संकाय (एफएफआरआरसी) यह थियोलॉजी में अनुसंधान आधारित उच्चतर अध्ययन हेतु केरल में ऑर्थोडॉक्स, मार थॉमस और

सीएसआई सेमिनरी का संयुक्त सार्वभौम कार्यक्रम है।

- श्रुति संगीत विद्यालय जो क्रिश्चियन संगीत संबंधी अध्ययन का मान्यता प्राप्त केंद्र है जहां शीरियक संगीत को विशेष महत्व दिया जाता है।
- मार ग्रिगोरियस फाउंडेशन (एमजीएफ)—यह स्वर्गीय डा0 पॉलोस मार ग्रिगोरियस, पूर्व प्रधानाचार्य और विश्व विख्यात विचारक के आदर्शों और लोकोपकारक सेवाओं के प्रचार का केंद्र है।
- प्रत्याशा परामर्शसेवा संबंधी कार्यक्रम—यह परामर्शसेवा संबंधी अध्ययन और आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु केंद्र है।
- दिव्यबोधनम—यह पादरियों और जन-साधारण की धर्म संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा उन्हें प्रशिक्षित करने का केंद्र है।
- सरुप्य कला विद्यालय—यह पादरियों और जन-साधारण को प्राचीन कला रूपों में प्रशिक्षण देने का केंद्र है।
- स्मृति - यह एक परिसर है जिसमें एक सभागार, एक भीड़िया-कक्ष, एक सार्वभौम कक्ष और आधुनिक पुस्तकालय व अभिलेखागार स्थित है।

शाक विभाग इस पुराना सेमिनरी, कोट्टयम के द्विराती समारोह के उपलक्ष्य में एक स्मारक शाक-टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :-

मूलपाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित

शाक-टिकट/प्रथम दिवस आवरण : अलका शर्मा

तिरुपण : अलका शर्मा